PAPER-III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

J	7	3	1	3

Time : 2 $^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D) जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:

संस्कृत-परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – III

प्रश्नपत्र – III

Paper – III

संकेत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्तति: (75)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **seventy-five (75)** multiple choice questions. Each question carries **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. ध्रुवसंज्ञकनक्षत्रमस्ति –
ध्रुवसंज्ञकनक्षत्र है –
ध्रुवसंज्ञकनक्षत्र is –
(A) कृत्तिका (B) रोहिणी
(C) मृगशीर्ष: (D) आर्द्रा

2. उपनयनेऽब्जभार्गवौ न शुभौ स्याताम् –
उपनयन में अब्ज-भार्गव शुभ नहीं होते हैं
In उपनयन-अब्ज and भार्गव are considered as not शुभ –
(A) चतुर्थभावे (B) अष्टमभावे
(C) दशमभावे (D) द्वादशभावे

3. नामकरणं कुर्यात्
नामकरण करें
नामकरण should be performed
(A) अश्विन्याम् (B) मघायाम्
(C) आश्लेषायाम् (D) विशाखायाम्

4. बृहत्तमा कक्षाऽस्ति
बृहत्तम कक्षा है
बृहत्तमकक्षा is
(A) बृहस्पते: (B) मन्दस्य
(C) सितस्य (D) रवे:

5. तिथिभिर्भवति
तिथियों से होता है
That which becomes by तिथिs is
(A) सौरमास: (B) नाक्षत्रमास:
(C) चान्द्रमास: (D) सावनमास:

6. "मनूनका: स्यात् ग्रहणस्य सम्भव:" - उक्तिरस्ति
"मनूनका: स्यात् ग्रहणस्य सम्भव:" - उक्ति है
"मनूनका: स्यात् ग्रहणस्य सम्भव:" is the Statement
(A) वराहस्य (B) आर्यभटस्य
(C) कमलाकरस्य (D) भास्करस्य

7. "मो राजि सम: क्वौ" – इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति
"मो राजि सम: क्वौ" – इस सूत्र का उदाहरण है
The example of "मो राजि सम: क्वौ" is
(A) यशांसि (B) सम्राट्
(C) हरिं वन्दे (D) संस्कर्ता

8. "अन्यपदार्थप्रधानो समास:" भवति
अन्य पद के अर्थ की प्रधानता वाला समास होता है
"अन्यपदार्थप्रधानो समास:" is
(A) अव्ययीभाव: (B) तत्पुरुष:
(C) बहुव्रीहि: (D) द्वन्द्व:

9. "जनिकर्त्तु: प्रकृति:" - इत्यस्योदाहरणम्
"जनिकर्त्तु: प्रकृति" - का उदाहरण है
The example of "जनिकर्त्तु: प्रकृति" is
(A) हिमवतो गंगा प्रभवति
(B) ब्रह्मण: प्रजा: प्रजायन्ते
(C) गवां - गोषु वा प्रसूत:
(D) राज्ञां मत:

10. याज्ञवल्क्यमते जनने मरणे वा वैश्यस्याशौचं भवति
याज्ञवल्क्यमत में जनन अथवा मरण में वैश्य का अशौच होता है
The period of "जनने मरणे वा वैश्यस्याशौचम्" according to याज्ञवल्क्य is
(A) द्वादशाहानि (B) एकादशाहानि
(C) पञ्चदशाहानि (D) नवदिनानि

11. आश्रमाणां योनिरस्ति
आश्रमों की योनि है
The योनि of आश्रमs is
(A) ब्रह्मचारी (B) गृहस्थ:
(C) वानप्रस्थ: (D) संन्यास:

12. व्याप्तिविशिष्टहेतव: सन्ति
"व्याप्तिविशिष्टहेतव:" हैं
व्याप्तिविशिष्टहेतुs are
(A) त्रय: (B) चत्वार:
(C) पञ्च (D) षड्

13. पृथिव्यां सन्ति गुणा:
पृथिवी में गुण हैं
In the पृथिवी, गुणs are
(A) सप्त (B) अष्टौ
(C) चतुर्दश (D) पञ्चदश

14. पञ्चतन्मात्रं भवति परिणामम्
पञ्चतन्मात्रं परिणाम हैं
पञ्चतन्मात्रs are the results
(A) मूलप्रकृते: (B) अहङ्कारस्य
(C) पुरुषस्य (D) इन्द्रियस्य

15. द्वीन्द्रियग्राह्यं भवति –
दो - इन्द्रियों से ग्राह्य हैं –
That which occurs by two इन्द्रियs
(A) संख्या (B) रूपम्
(C) स्पर्श: (D) बुद्धि:

16. शान्तिपर्वणि दुर्गसंख्या भवति –
शान्तिपर्व में दुर्गसंख्या है –
The दुर्गसंख्या in शान्तिपर्व is –
(A) पञ्च (B) षट्
(C) चत्वार: (D) नव

17. महापुराणेषु न गण्यते –
महापुराणों में नहीं हैं –
That which is not considered among the महापुराणs –
(A) केदारखण्डपुराणम् (B) विष्णुपुराणम्
(C) वायुपुराणम् (D) अग्निपुराणम्

18. पुराणलक्षणेषु नान्तर्भवति –
पुराणलक्षणों में नहीं आता है –
That which is not included among the definitions of पुराणs, is –
(A) सर्ग: (B) वंशानुचरितम्
(C) विधि: (D) प्रतिसर्ग:

19. कात्यायनश्रौतसूत्रस्य भाष्यकारोऽस्ति
कात्यायनश्रौत सूत्र का भाष्यकार है
Commentator on Katyayan Shrouta Shutra is
(A) गोविन्दस्वामी
(B) बौधायन:
(C) कर्काचार्य:
(D) गर्ग्यनारायणस्वामी

20. माध्यन्दिनसंहिताया: भाष्यकारो नास्ति –
माध्यन्दिन संहिता का भाष्यकार नहीं है –
He is not the commentator on Madhyandina Samhita.
(A) महर्षिदयानन्द: (B) सायण:
(C) उव्वट: (D) महीधर:

21. ऋग्वेदस्य गृह्यसूत्रमस्ति –
ऋग्वेद का गृह्य सूत्र है –
गृह्यसूत्र belong to ऋग्वेद is –
(A) आश्वलायनगृह्यसूत्रम्
(B) पारस्करगृह्यसूत्रम्
(C) बौधायनगृह्यसूत्रम्
(D) कात्यायनगृह्यसूत्रम्

22. "सगुणावनलङ्कृती" – इत्यस्याभिप्राय: –
"सगुणावनलङ्कृती" – का अभिप्राय है –
"सगुणावनलङ्कृती" – The meaning of this Statement is –
(A) "सर्वत्र सालङ्कारौ" क्वचित्तु स्फुटालङ्कारविरहेऽपि न काव्यत्वहानि: ।
(B) "सर्वत्र सालङ्कारौ" क्वचित्तु अस्फुटालङ्कारविरहेऽपि न काव्यत्वहानि: ।
(C) "सर्वत्र सालङ्कारौ" क्वचित्तु स्कुटालङ्कारविरहेऽपि काव्यत्वहानि: ।
(D) सर्वत्रालङ्काररहितौ शब्दार्थौ काव्यम् ।

23. सङ्केतितार्थस्य बोधनादग्रिमा _____ कथ्यते
सङ्केतितार्थस्य बोधनादग्रिमा _____ कही जाती है ।
सङ्केतितार्थस्य बोधनादग्रिमा _____ is said to be –
(A) लक्षणा (B) अभिधा
(C) व्यञ्जना (D) तात्पर्या

24. शान्तरसस्य संस्थापकाचार्योऽस्ति –
शान्तरस के संस्थापक आचार्य हैं –
The propounder of शान्तिरस is –
(A) भरत: (B) भामह:
(C) आनन्दवर्द्धन: (D) मम्मट:

25. शब्दमयी देवतेति सिद्धान्तोऽस्ति –
शब्दमयी देवतेति सिद्धान्त है –
शब्दमयी देवतेति – this tenet is –
(A) पूर्वमीमांसाया: (B) बौद्धस्य
(C) जैनस्य (D) पुराणस्य

26. घटादिकं सर्वं विज्ञानरूपमिति स्वीकुर्वन्ति –
घटादि सभी विज्ञानरूप हैं ऐसा स्वीकार करते हैं –
"All पदार्थs Like pot etc. are विज्ञान रूप" – thus is accepted by –
(A) जैना: (B) वैशेषिका:
(C) वेदान्तिन: (D) बौद्धा:

27. ऋषभदेव: सम्प्रदायप्रवर्त्तकोऽस्ति –
ऋषभदेव: सम्प्रदायप्रवर्त्तक है –
ऋषभदेव: is the propounder –
(A) चार्वाकस्य (B) जैनस्य
(C) स्मार्त्तस्य (D) श्रौतस्य

28. अनिर्वचनीयख्यातिन: सन्ति –
अनिर्वचनीयख्याती वादी हैं –
अनिर्वचनीयख्याती - वादिs are –
(A) जैना: (B) चार्वाका:
(C) अद्वैतवेदान्तिन: (D) विशिष्टाद्वैतिन:

29. पञ्चमिथ्यात्वविचारोऽस्ति –
पञ्चमिथ्यात्व का विचार है –
An exposition of five-fold मिथ्यात्व is there –
(A) वेदान्तपरिभाषाग्रन्थे
(B) सिद्धान्तबिन्दुग्रन्थे
(C) अद्वैतसिद्धिग्रन्थे
(D) शाङ्करभाष्ये

30. सिद्धान्तलेशसङ्ग्रहकर्त्ता भवति –
सिद्धान्तलेशसङ्ग्रह का कर्त्ता होता है –
The author of सिद्धान्तलेशसङ्ग्रह is –
(A) भट्टोजीदीक्षित:
(B) अप्पय्यदीक्षित:
(C) रामनाथदीक्षित:
(D) रामकृष्णयज्वान:

31. लग्नत: सप्तमभावं यावत् सर्वेषां ग्रहाणां स्थितौ भवति –
लग्न से सप्तम भाव तक सभी ग्रहों के रहने पर होता है –
From लग्न स्थान upto सप्तमभाव, if all ग्रहs exist, there occurs –
(A) चापयोग: (B) छत्रयोग:
(C) नौकायोग: (D) कूटयोग:

32. नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात् –
एक नक्षत्र होने पर पाद भेद हो तो शुभ होता है –
"नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्" – is noted in –
(A) व्रतबन्ध: (B) गृहप्रवेश:
(C) विवाह: (D) गृहारम्भ:

33. सप्तमे भौमे भवति –
सप्तम में भौम रहने पर होता है –
When भौम is in सप्तमस्थान, it becomes –
(A) दारिद्र्ययोगकारक:
(B) वैधव्ययोगकारक:
(C) क्रूरयोगकारक:
(D) बहुभार्यायोगकारक:

34. राशिलिप्ताष्टमो भागो भवति –
राशिलिप्ता का आठवाँ भाग होता है –
The eighth part of राशिलिप्ता is –
(A) प्रथमं ज्यार्धम् (B) मध्यमान्तरम्
(C) चरान्तरम् (D) भुजान्तरम्

35. मन्दस्पष्ट शीघ्रगतिफलयोरन्तरं भवति –
मन्दस्पष्ट और शीघ्रगतिफल में भेद होता है –
The difference between मन्दस्पष्ट and शीघ्रगतिफल is –
(A) मध्यमागति: (B) मन्दस्पष्टागति:
(C) स्पष्टागति: (D) शीघ्रस्पष्टागति:

36. वृषराषे: लङ्कोदयासव: सन्ति –
वृषराशि के लङ्कोदयासु हैं –
लङ्कोदयासुs of वृषराशि are –
(A) 1793 (B) 1795
(C) 1670 (D) 1930

37. व्याकरणाध्ययनस्य एकं मुख्यं प्रयोजनमस्ति –
व्याकरण के अध्ययन का एक मुख्य प्रयोजन है –
The मुख्यप्रयोजन of व्याकरणाध्ययन is –
(A) यश:प्राप्ति: (B) अर्थप्राप्ति:
(C) अमंगलनाश: (D) वेदानां रक्षा

38. नित्या: शब्दार्थसम्बन्धा: इति स्वीकुर्वन्ति –
शब्द, अर्थ उनके सम्बन्ध को नित्य मानते हैं –
शब्द, अर्थ and their relation are regarded as नित्या by –
(A) महाकवय: (B) वेदान्तिन:
(C) वैयाकरणा: (D) नैयायिका:

39. "इगुपधज्ञाप्रीकिर: क:" इत्यस्य सूत्रस्योदहरणमस्ति –
"इगुपधज्ञाप्रीकिर: क:" इस सूत्र का उदाहरण है –
The example illustrating the सूत्र - "इगुपधज्ञाप्रीकिर: क:" is –
(A) कारक: (B) कृश:
(C) गृहम् (D) गायक:

40. श्रौतीपरिसंख्याया: उदाहरणमस्ति
श्रौतीपरिसंख्या का उदाहरण है
The example of श्रौतीपरिसंख्या, is
(A) पञ्च पञ्चनखा: भक्ष्या:
(B) अत्र ह्येवावपन्ति
(C) उद्भिदा यजेत
(D) यष्टय: प्रविशन्ति

41. "अवाप:" इत्यस्यार्थोऽस्ति –
"अवाप:" इसका अर्थ है –
The meaning of अवाप: is –
(A) उद्धार: (B) प्राप्त:
(C) प्रक्षेप: (D) ग्रहणम्

42. दर्शपूर्णमासयागे अङ्गयागा: भवन्ति –
दर्शपूर्णमासयाग में अंगयाग हैं –
The अङ्गयागs in दर्शपूर्णमासयाग are –
(A) षट् (B) नव
(C) चत्वार: (D) पञ्च

43. आख्यातार्थ: कृतिरिति वदन्ति –
'आख्यातार्थ कृति है' इसे कहते हैं –
'आख्यातार्थ: कृति:' thus is said by –
(A) शाब्दिका: (B) न्यायनयज्ञा:
(C) पूर्वमीमांसका: (D) जैना:

44. 'व्यवहारादपि शक्तिग्रहो भवति' इति स्वीकुर्वन्ति ।
'व्यवहार से भी शक्तिज्ञान होता है' इसे मानते हैं –
'Even from व्यवहार, the शक्तिज्ञान arises' – thus is said by –
(A) पूर्वमीमांसका: (B) नैयायिका:
(C) वेदान्तिन: (D) सांख्या:

45. ईश्वरात्मनि सुखं नास्ति –
ईश्वरात्मा में सुख नहीं है –
There is no bliss in ईश्वरात्मा –
(A) धर्माभावात्
(B) सामग्र्याभावात्
(C) रूपाभावात्
(D) मन: संयोगाभावात्

46. प्रणवोवाचको अस्ति –
प्रणववाचक है –
प्रणववाचक is –
(A) शिवस्य (B) ईश्वरस्य
(C) प्राणायामस्य (D) नियमस्य

47. सांख्ये करणानि सन्ति –
सांख्यानुसार करण हैं –
करणs according to सांख्य, are –
(A) 13 (B) 14
(C) 16 (D) 20

48. जरामरणकृतं दु:खं –
जरामरण दु:ख को प्राप्त करता है –
He who obtains the suffering of जरामरण, is –
(A) पुरुष: (B) बुद्धि:
(C) ईश्वर: (D) मन:

49. पुञ्जात् पुञ्जोत्पत्तिरिति वदन्ति –
पुञ्ज से पुञ्ज की उत्पत्ति मानते हैं –
Those who accept the origin of पुञ्ज from पुञ्ज are –
(A) चार्वाका: (B) बौद्धा:
(C) जैना: (D) वैशेषिका:

50. 'स्याद्वादमञ्जरी' इति ग्रन्थोऽस्ति –
'स्याद्वादमञ्जरी' – ग्रन्थ है –
'स्याद्वादमञ्जरी' is the work –
(A) जैनसिद्धान्तस्य
(B) वैशेषिकसिद्धान्तस्य
(C) मीमांसासिद्धान्तस्य
(D) सौगतसिद्धान्तस्य

51. अपोहरूपमिति स्वीकुर्वन्ति –
अपोहरूप को स्वीकार करते हैं –
अपोहरूप is accepted by –
(A) बौद्धा: (B) पौराणिका:
(C) वैदिका: (D) दिगम्बरजैना:

52. शतपथब्राह्मणस्य कर्ताऽस्ति –
शतपथब्राह्मण के रचयिता है –
The author of शतपथब्राह्मण is –
(A) महीधर: (B) शौनक:
(C) याज्ञवल्क्य: (D) सायण:

53. ब्राह्मणग्रन्थानां विषयो नास्ति –
ब्राह्मणग्रन्थों के विषय नहीं है –
That which is not the subject – matter of Brahmana texts is –
(A) छन्दविवेचनम् (B) विधि:
(C) पुराकल्प: (D) प्रशंसा

54. व्याकरणस्य कात्स्न्र्यमस्ति –
व्याकरण का कात्स्न्य है –
कात्स्न्य of व्याकरण is –
(A) महाभाष्यम् (B) निरुक्तम्
(C) लघुमञ्जूषा (D) छन्द: शास्त्रम्

55. माध्व मतरीत्या मोक्षो न लभ्यते –
माध्वमत के अनुसार मोक्ष प्राप्त नहीं होता है –
According to माध्वमत, मोक्ष is not possible –
(A) ज्ञानेन विना
(B) भक्त्या विना
(C) वैराग्येण विना
(D) विष्णुप्रसादेन विना

56. नवकृत्वोपदेशं: क्रियते –
नवकृत्वोपदेश करता है –
नवकृत्वोपदेश is done –
(A) उद्दालकेन (B) श्वेतकेतुना
(C) इन्द्रेण (D) नारदेन

57. माध्वमतेन 'सर्वे एकीभवन्ति' अत्र 'एकीभाव'स्यार्थ:
माध्वमत के अनुसार 'सर्वे एकीभवन्ति' 'एकीभाव' का अर्थ है
According to माध्वमत, सर्वे एकीभवन्ति here the meaning of एकीभाव is
(A) स्वरूपैक्यम् (B) आत्मैक्यम्
(C) मत्यैक्यम् (D) ब्रह्मैक्यम्

58. याज्ञवल्क्यस्मृतौ धर्मशास्त्रकाराणा नामानि सन्ति –
याज्ञवल्क्यस्मृति में धर्मशास्त्रकारों के नाम हैं –
The number of धर्मशास्त्रकारs mentioned in the याज्ञवल्क्यस्मृति, is –
(A) एकविंशति: (B) विंशति:
(C) अष्टादश (D) चतुर्विंशति:

59. प्रयोजको भवति –
प्रयोजक है –
प्रयोजक is –
(A) चतुविध: (B) पञ्चविध:
(C) त्रिविध: (D) द्विविध:

60. विश्वामित्रमतेन श्राद्धमस्ति –
विश्वामित्र मत के अनुसार श्राद्ध है –
According to विश्वामित्र, the श्राद्ध is –
(A) एकादशविधम् (B) षोडशविधम्
(C) पञ्चविधम् (D) द्वादशविधम्

61. शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं तु.....स्मृतम् –
शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं तु.....कहा गया है –
शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं तु....is said to be –
(A) उत्तमोत्तमम् (B) उत्तमम्
(C) मध्यमम् (D) अवरम्

62. प्रतीयमानार्थप्रधानं ..... भवति ।
जिस काव्य में प्रतीयमान अर्थ की प्रधानता होती है, वह होता है –
प्रतीयमानार्थ is प्रधान in –
(A) चित्रकाव्यम्
(B) गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यम्
(C) ध्वनिकाव्यम्
(D) अकाव्यम्

63. क्षेमेन्द्रेण औचित्यस्य..... भेदा: प्रकीर्त्तिता: –
क्षेमेन्द्र ने औचित्य के ..... भेद मानें हैं –
The types of औचित्य accepted by क्षेमेन्द्र are –
(A) एकादश (B) एकोनविंशति:
(C) पञ्चविंशति: (D) सप्तविंशति:

64. पद्मपुराणस्य ___ खण्डे जगन्नाथानुवर्णनमस्ति –
पद्मपुराण का ___ खण्ड में जगन्नाथानुवर्णन है –
The पद्मपुराण describes जगन्नाथ in the –
(A) तृतीये स्वर्गखण्डे
(B) चतुर्थे पातालखण्डे
(C) द्वितीये भूमिखण्डे
(D) प्रथमे सृष्टिखण्डे

65. शैवपुराणानि सन्ति –
शैवपुराण हैं –
The शैवपुराणs are –
(A) एकादश (B) द्वादश
(C) दश (D) नव

66. सौवलोऽस्ति –
सौवल है –
सौवल is –
(A) विदुरः (B) कर्णः
(C) दुःशासनः (D) शकुनिः

67. अदीक्षितार्चनं न गृहणान्ति –
अदीक्षितार्चन को स्वीकार नहीं करते हैं –
अदीक्षितार्चन is not accepted by –
(A) ब्राह्मणा (B) देवाः
(C) असुरा (D) गन्धर्वाः

68. वसिष्ठसंहितादयः शुभागमा भवन्ति –
वसिष्ठसंहितादि शुभागम हैं –
वसिष्ठसंहितादि शुभागमs are –
(A) पञ्चदश (B) पञ्च
(C) सप्तदश (D) नव

69. जपयज्ञादिक्रियाः निष्फला भवन्ति –
जपयज्ञादि क्रियायें निष्फल होती हैं –
The performance of जप-यज्ञ etc. became fruitless –
(A) स्नानविहीनस्य
(B) भक्तिशून्यस्य
(C) अदीक्षितस्य
(D) अज्ञानिनः

70. शंकराचार्यप्रणीत भाष्यमस्ति –
शङ्कराचार्य द्वारा विरचित भाष्य है –
The commentary written by Sankaracharya is –
(A) योगसूत्राणाम् (B) भक्तिसूत्राणाम्
(C) ब्रह्मसूत्राणाम् (D) धर्मसूत्राणाम्

71. प्रधानं जगत् कारणं भवतीति नाङ्गीकुर्वन्ति –
प्रधान को जगत् का कारण नहीं मानते हैं –
प्रधान is cause of जगत् is not accepted by –
(A) अद्वैतवेदान्तिनः
(B) सांख्याः
(C) योगिनः
(D) ईश्वरकृष्णादयः

72. दृश्यत्वहेतुना मिथ्यात्वं साधयन्ति –
दृश्यत्वहेतु से मिथ्यात्व की सिद्धि होती है –
With the help of दृश्यत्व हेतु मिथ्यात्व is established –
(A) मनसि (B) जगति
(C) ब्रह्मणि (D) मापायाम्

73. रघुवंशस्य _____ सर्गे सीतापरित्यागस्य वृत्तान्तोऽस्ति ।
रघुवंश के _____ सर्ग में सीतापरित्याग का वृत्तान्त है ।
The episode of सीतापरित्याग in रघुवंश occurs _____ canto. –
(A) पञ्चमे (B) अष्टमे
(C) चतुर्दशे (D) दशमे

74. सिद्धान्तशिरोमणेः कर्ताऽस्ति –
सिद्धान्तशिरोमणि के रचयिता है –
The author of सिद्धान्तशिरोमणि is –
(A) आर्यभटः
(B) भास्कराचार्यः
(C) वराहमिहिरः
(D) सामन्तचन्द्रशेखरः

75. पवमानेष्टयः सन्ति –
पवमान के इष्टियाँ होती हैं –
पवमान इष्टिs are –
(A) तिस्रः (B) चतस्रः
(C) पञ्च (D) नव

Space For Rough Work